

RURAL DEVELOPMENT (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir. A study entitled "Instability in Indian Food-grains Production" by Peter B. R. Hazell at the International Food Policy Research Institute, has pointed to the unstable nature of foodgrain production in the country despite impressive increases. The Study however clearly underlines that "A large part of the increase in production instability probably has to be accepted as a necessary consequence of successful agricultural growth".

(b) Due to effects of droughts and floods from time to time food production is affected.

(c) It has been the constant endeavour of the Government to increase and stabilise the production of foodgrains. The various measures taken in this direction are as follows:—

(i) Extending irrigation facilities to unirrigated areas and efficient utilization of the available water resources;

(ii) Introduction of high-yielding and short duration varieties of crops;

(iii) Adoption of improved technology including water harvesting and moisture conservation, for cultivation of crops in drylands and under rain-fed conditions;

(iv) Timely availability of various farm inputs to the farmers;

(v) Increased and balanced use of fertilizers;

(vi) Regular monitoring of diesel and electric power supplies for irrigation purposes;

(vii) Intensive extension efforts to bring about transfer of technology at the farm level;

(viii) Extension of credit facilities to the farmers; and

(ix) Implementation of contingency production plans to mitigate the adverse effects of drought and floods;

एशियाड टिकटों का बिचौलियों के माध्यम से बिक्री

*118. श्री कृष्ण चन्द्र पांडे :

श्री रवीन्द्र वर्मा :

क्या खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एशियाड 1982 की टिकटों की बिक्री या वितरण समुचित नहीं था और टिकटें सीधी जनता को नहीं मिलीं अपितु ये बिचौलियों के माध्यम से मिलीं जिन्होंने इन्हें काला-बाजार में बेचना आरम्भ कर दिया है और लोगों को ये टिकटें प्राप्त करने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ; और

(ख) क्या सरकार का विचार काला-बाजारी करने वालों के विरुद्ध कोई कानूनी कार्रवाई करने का है ?

पूर्ति मंत्रालय के तथा खेल विभाग के राज्य मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) नौवें एशियाड खेल, 1982 की टिकटें भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से भारत के 91 नगरों में तथा एअर इंडिया और इण्डियन एअरलाइन्स के माध्यम से बाहर के 35 देशों में 129 बिक्री केन्द्रों पर उचित और सुव्यवस्थित ढंग से बेची गई हैं। बिक्री केन्द्रों पर बेरिकेडों की सहायता से ठीक तरह से लाइन बनाने तथा पेय जल जैसी मूल सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रबन्ध किए गए थे। भारत में टिकटों की बिक्री का भिन्न-भिन्न समय इस दृष्टि से रखा गया ताकि जनता अपनी मरजी की टिकटें ले सके। भारत अथवा विदेश के किसी भी टिकट बिक्री केन्द्र से टिकटों की काला-बाजारी की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।